tonnes in the year 1992-93. It is expected[1] that by the end of the 8th Five Year Plan i.e. 1996-97, the export of steel will increase to about 2.5 million tonnes.

(d) Steel produced in the country falls under a large number of categories and specifications. It is, therefore, not possible to identify which part of the country is producing the best quality of ste:l.

(e) Government has taken various steps to encourage indigenous production of steel. These include:

(i) Modernisation and expansion of the public sector integrated steel plants;

(ii) Delicensing and de-regulation of the iron and steel industry to encourage private sector investment:

(Hi) Reduction of customs duty on project imports and reduction of minimum interest rate on commercial advances in the Budget to improve the viability of industrial projects including iron and steel projects;

(iv) Reduction of customs duty on raw materials such- as refractories and ferro alloys to reduce production cost of steel.

स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड का घाटे में चलना

4556. **श्रीमती सुषमा स्वराज** : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड की अनेक इकाइयां घाटे में चल रही हैं;

(ख) यदि हां, तो 1992-93 के वित्त वर्ष के दौरान प्रत्येक इकाई को कितना-कितना घाटा हुआ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इन घाटों के अन्य कारणों में प्रमुख कारण उत्पादन लागत में वृद्धि का होना है ;

(घ) क्या सकार ने उत्पादन लागत में वृद्धि के कारणों का पता लगाया है और क्या उनके सही होने का पता लगाने हेतु कोई जांच कराई गई है;

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और क्या घाटे में चल रही इकाइयों में उत्पादन लागत कम करने के लिये सरकार द्वारा कोई प्रभावी कार्यवाही की गई है, और

(च) यदि हां, तो मौजूदा उत्पादन-लागत को कितने प्रतिशत कम करने का लक्ष्य है तथा यह लक्ष्य कब तक पूरा कर लिया जायेगा ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) और (ख) स्टील अथारिटी आफ इंडिया लि० (सहायक कम्पनियों को छोड़कर) वर्ष 1984-85 से लाभ कमा रहा है । वर्ष 1992-93 के दौरान इसको 423.4 करोड़ रुपये का लाभ हुआ और लाभ एवं हानि संचयी अधिशेष हुआ तथा 31 मार्च, 1993 की स्थिति के अनुसार यह राशि 1220.03 करोड़ रुपये थी । तथापि, "सेल" की इकाई दुर्गापुर इस्पात संयंत्र में इस अवधि के दौरान लगातार हानि हो रही है । वर्ष 1992-93 के दौरान दुर्गापुर इस्पात संयंत्र को हुई हानि 132.92 करोड़ रुपये थी और 31 मार्च, 1993 की स्थिति के अनुसार इसकी संचयी हानि 1010.94 करोड़ रुपये की है ।

(ग) और (घ) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र को मुख्यत: पुरानी प्रौद्योगिकी के कारण हानि हो रही है । जिसके परिणामस्वरुप उत्पादन लागत अधिक है । इस समय कार्यान्वित किये जा रहे संयंत्र के आधुनिकीकरण का एक मुख्य उद्देश्य उत्पादन लागत को कम करना है ।

(ङ) "सेल" इस संयंत्र में उत्पादन लागत को कम करने के लिये निम्नलिखित उपायों को सतत आधार पर उठा रही है:—

1. विद्यमान सुविधाओं का आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकीय उन्नयन ।

2. उत्पादन में वृद्धि और क्षमता उपयोग ।

3. तकनीकी-आर्थिक सुधार ।

4. ऋण क्षमत में कमी ।

5. उपोत्पाद के उत्पादन में सुधार तथा बनने वाले अपशिष्ट एवं गौण पदार्थों की बेहतर प्राप्ति ।

6. निजी विद्युत उत्पादन को इष्टतम करना ।

7. राजकीय नियंत्रण पद्धति का कड़ाई से कार्यान्वयन ।

(च) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र आधुनिकीकरण परियोजना की अद्यतन संशोधित लागत अनुमान के अनुसार दुर्गापुर इस्पात संयंत्र में इस्पात उत्पादन का कारखाना मूल्य आधुनिकीकरण के बाद लगभग 30 30 %कम हो जायेगा ।

Disinvestment in SAIL

4557. SHRI SUBRAMAIAN SWAMY:
SHRIMATI MIRA DAS:
SHRI G. G. SWELL;
SHRI CHIMANBHAI MEHTA;

Will the Minister of STEEL be pleased to *state:*

(a) whether it is a fact that Steel Companies under government ownership is going to be disinvested this year; if so, the details thereof;

(b) whether it is also a fact that the paid up capital of SAIL is Rs. 3,986 crore;

(c) whether the valuation SAIL Companies has been done; if so, what is the formula for valuation applied and how it works out at current dates;

(d) what was the amount of SAIL disinvestment in 1992-93 with details;

(c) whether it is also a fact that disinvestment formula worked in 1992-93 took, into consideration of depreciated value and erosion of rupee, if so, what was the reserve and revised prices fixed for SAIL shares; and

(f) what are the items being taken into consideration for valuation of assets and their profits earnings?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV): (a) No decision has so far been taken by the Government to disinvest in any steel companies under Government ownership in 1995-94.

(b) The paid up share capital of SAIL as on 31-3-1993 is Rs. 3985.83 crores.

(c) So far, SAIL's shares have not been evaluated during 1993-94.

(d) During 1992-93, Government disinvested, in two branches, 2198-61 lakhs shares of SAIL for Rs. 700.09 crores in favour of Financial Institutions and Mutual Funds.

(e) and (f) The information is being collected and will be laid on the Table of the Hoase.

Setting up of unified Transport Authoury

@4558- SHRI S. S. AHLUWALIA: Win the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the National Capital Region Board has decided to set up a unified Transport Authority with the neighbouring States;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether Government have appro Ned such a proposal; and

(d) what functions are likely to be performed by the unified Authority?

©Previously UnStarred Question 3030, transferred from 15th Angust, 1993.